

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2327
13.12.2021 को उत्तर के लिए

गिद्ध की प्रजाति

2327. श्री विनोद कुमार सोनकर :
डॉ. जयंत कुमार राय :
डॉ. सुकान्त मजूमदार :
श्री भोला सिंह :
श्री राजा अमरेश्वर नाईक :

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार भारत में पाए वाले गिद्धों की प्रजातियों का रिकॉर्ड रखती है और यदि हां, तो क्या 1990 के दशक से इनकी संख्या में तेजी से कमी हुई है;
- (ख) यदि हां, तो गिद्धों की संख्या में कमी होने के क्या कारण हैं और किन प्रजातियों की संख्या में सर्वाधिक कमी आई है और इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है;
- (ग) क्या सफेद पीठ वाली, लंबी चोंच वाली और पतली चोंच वाली प्रजातियां इनकी संख्या में तेजी से कमी आने के कारण अस्तित्व के संकट का सामना कर रही हैं;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर की गई कार्रवाई सहित गिद्धों की संख्या में तेजी से कमी होने कारण क्या है; और
- (ङ) सरकार द्वारा देश में इन्हें बचाने और संरक्षित करने के लिए अन्य क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) और (ख): भारत में गिद्धों की नौ प्रजातियां अभिलिखित हैं। ये ओरियंटल वाइट बेकड वल्चर (जिप्स बेंगालेसिस), लॉग-बिल्ड वल्चर (जिप्स इंडिक्स), स्लैंडर-बिल्ड वल्चर (जिप्स टेन्युरोस्ट्रिस), हिमालयन वल्चर (जिप्स हिमालयेनसिस), यूरोशियन ग्रिफोन (जिप्स फुलवस), रेड-हेडेड वल्चर (सारकोजिप्स कालव्स), इजिपशियन वल्चर (निओफरन पर्कानॉप्टेरस), बियर्डड वल्चर (जिपेटस बारबाट्स) और सिनीरीअस वल्चर (एरिनियस कालवस) है।

इस मंत्रालय के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, गिद्धों की तीन प्रजातियों नामतः जिप्स इंडिक्स, जिप्स बेंगालेन्सिस और जिप्स टेन्युरोस्ट्रिस की संख्या में वर्ष 1990 के दशक के दौरान तीव्र गति से कमी हो गई थी। यह पाया गया था कि गिद्धों की मौत मुख्य रूप से पशुचिकित्सीय नॉन-स्टीरॉयडल एंटी-इन्फ्लेमेटरी औषधि

‘डिक्लोफेनेक’ के कारण हुई थी, जो औषधि मवेशियों को दर्द और शोथ के निवारण के लिए दी जाती है। तथापि, सरकार के ठोस प्रयासों के कारण, इन गिद्ध प्रजातियों की संख्या अब स्थिर हो गई है। गिद्धों की अन्य प्रजातियों की संख्या संबंधी आकलन, इस मंत्रालय में नहीं किया जाता है।

(ग), (घ) और (ड.): ओरियंटल व्हाइट-बैकड वल्चर, लॉग-बिल्ड वल्चर और स्लेंडर-बिल्ड वल्चर संकटापन्न हैं और उन्हें वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 में सूचीबद्ध करके उच्चतम दर्जे का संरक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सरकार द्वारा गिद्धों की सुरक्षा और उनकी संख्या में वृद्धि करने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम निम्नवत हैं :

- (i) गिद्धों की सभी प्रजातियों को वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूचियों में सूचीबद्ध किया गया है।
- (ii) मवेशियों का उपचार करने में डिक्लोफेनेक औषधि के प्रयोग को रोकने के लिए इसकी शीशी के आकार को 3 मि.ली. तक सीमित किया है।
- (iii) बाजार में उपलब्ध विभिन्न पशुचिकित्सीय नॉन-स्टीरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी औषधियों का सुरक्षा संबंधी परीक्षण करना, ताकि गिद्धों पर उनकी विषाक्तता को समझा जा सके।
- (iv) गिद्धों की शेष बची हुई संख्या के संरक्षण हेतु देश के विभिन्न हिस्सों में गिद्ध सुरक्षा क्षेत्र स्थापित करना।
- (v) विशेष रूप से पशुचिकित्सा औषधियों के उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाना।
- (vi) गिद्ध संरक्षण के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के क्रम में मंत्रालय द्वारा प्रायोजित फिल्में ‘द लास्ट फ्लाइट’ और ‘वैनिशिंग वल्चर्स’ का रेडियो और टेलीविजन पर बार-बार प्रसारण होता रहता है। राज्यों से पशुपालन क्षेत्रों और किसानों को ध्यान में रखकर शिक्षा और जागरूकता संबंधी सामग्रियों को तैयार करने का अनुरोध किया गया है।
- (vii) भारत में आठ गिद्ध संरक्षण प्रजनन केन्द्र स्थापित किए गए हैं।
- (viii) भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) ने बीएनएचएस और रॉयल सोसायटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स, यूनाइटेड किंगडम में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय पक्षी संरक्षण संगठन के सहयोग से गिद्धों पर शॉर्ट-लिस्ट की गई औषधि मेलोक्सिकैम का सुरक्षा संबंधी परीक्षण करके डिक्लोफेनेक के सुरक्षित विकल्प की पहचान करने के लिए अनुसंधान अध्ययन किया है। मेलोक्सिकैम को गिद्धों के लिए सुरक्षित पाया गया था और डिक्लोफेनेक के विकल्प के रूप में इसके उपयोग को बढ़ावा दिया गया था।
- (ix) भारत ने दिनांक 09 नवम्बर, 2020 को गिद्ध संरक्षण कार्य योजना (2020-2025) शुरू की है।
- (x) भारत सरकार, प्रजाति पुनःसंवर्धन कार्यक्रम के तहत ‘गिद्धों के संरक्षण हेतु वन्यजीव पर्यावासों का विकास नामक केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम के तहत राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
